Living the LOTUS
Buddhism in Everyday Life

2
2016

VOL. 125

FOUNDER'S ESSAY

उस व्यक्ति के लिए

यदि तुम किसी व्यक्ति को ध्यान से देखते हो जो दूसरों से काम लेने में दक्ष है, वैसे व्यक्ति की कोई अपेक्षा नहीं होती है कि कठिन परिश्रम करनेवाले को आसपास बुलाये और काम करने के लिए बाध्य करे। वह सभी लोगों का ध्यान रखता है और सदा यही सोचता है कि कैसे उनसब को खुशी मिले। अतः उनसब में एक भी जो उसकी कोमल भावना को याद करता है वह स्वयं उस व्यक्ति के लिए परिश्रम से कार्य करनेवाला बन जाएगा। इसके अतिरिक्त उसका कार्य स्वतः प्रेरित है, अतः वह अपना कार्य पूरी शक्ति से करेगा।

लोग अपने जीवन में क्या चाहते हैं ? यह मनोविज्ञान का महत्त्वपूर्ण विषय है। इसके गहन विश्लेषण के फलस्वरूप अन्ततः यह निकल कर आया है कि प्रत्येक व्यक्ति के अन्तर्मन में कामना रहती है कि दूसरे लोग उसके कार्य की प्रशंसा करें।

जब धर्मकेन्द्र अनुष्ठाता किसी सदस्य से मुसकुराकर बोलता है तो उस सदस्य को प्रेरणा मिलती है। इसके विपरीत वैसा समय भी आता है सदस्य हतोत्साहित अनुभव करता है जब उसके अभिवादन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आती है। आप कितने भी व्यस्त क्यों न हों, आप सामने आनेवाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति अपनी सद्भावना का प्रदर्शन करना कभी न भूलें। यदि आप दूसरों के प्रति आदरभाव नहीं दिखलाते हैं तो दूसरे लोगों द्वारा अन्ततः तिरस्कृत होते चले जाएंगे।

सौजन्य-कोइसोज़ुकान 8 (कोसेई पब्लिसिंग को०) पृ० 294-295.

Living the Lotus
Vol. 125 (February 2016)

Published by Rissho Kosei-kai International,
Fumonkan, 2-6-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo, 166-8537 Japan
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: shanzai.rk-international@kosei-kai.or.jp
Senior Editor: Shoko Mizutani
Copy Editor: Parmita Shekhar
Editorial Staff of RK International

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य सस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एव कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

“लिविंग द लोटस्ः बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

GUIDANCE
BY PRESIDENT NIWANO

स्वार्थपरक सोच पर पूर्णविराम दो

निचिनो निवानो
रिश्शो कोसेइ काई अध्यक्ष

सुखी जीवन का रहस्य

जब कोई हमारे साथ बातचीत करता है तो लगता है कि तीन नियमों के विधान का स्पष्ट सकारात्मक प्रभाव हो रहा है। प्रथम जब यह विचार आया तो लगा कि ये तो स्पष्ट रूप से साधारण सी बातें है, परन्तु स्वार्थी व्यक्ति ऐसा सोचता है कि“ वह कितना खराब हैं ”या“ उस व्यक्ति के सम्पर्क में रहना मेरे लिए मुश्किल होगा, तो उसे खुलकर जवाब देना संभव नहीं होगा।

इसके विपरीत विना हिचक के निश्चयात्मक उत्तर देने में समर्थ हैं तो कहा जा सकता है कि आप स्वार्थपरक नहीं हैं।

स्वार्थपरक नहीं है का एक उदाहरण कन्फ्यूसियस के सूक्तसंग्रह में इस प्रकार हैः मास्टर ने चार चीजों का त्याग कर दिया-

स्वार्थपरक चित्त, विवेकपूर्ण दावे, चीजों के प्रति आसक्ति एवं मन का जिद्दीपना। इसका अर्थ है कि कन्फ्यूसियस का मन ऊपर के चार भ्रान्तियों से मुक्त था जो स्व को जकड़े रहते हैं। इस सूक्ति की व्याख्या के अनुसार स्वार्थी मन अविवेकपूर्ण दाबे की ओर ले जाता, जो चीजों के प्रति आसक्ति को जन्म देता है। आसक्तियाँ मन को जिद्दी बनाती है और व्यक्ति के जीवन को विराम की स्थिति ले आता है।

इसलिए निश्चयात्मक परन्तु सौम्य शब्दों में कुछ कहना प्रतिदिन सुखी जीवन का रहस्य है।

प्रसंगवस जब ठंड लगती है तो हमारा शरीर ताप को जाने नहीं देने की कोशिश करता है और जब गर्मी लगती है तो शरीर ताप को पसीने के निकलने के तापक्रम पर ले आता है। इस तरह शरीर स्वतः ही वाताचरण एवं परिस्थितियों के अनुसार ताप को नियन्त्रित करता है।यदि दिन प्रतिदिन की घटनाएँ सामने आती हैं तो उनमें चुनाव करने या सामना करने की बात को पीछे छोड़कर उनको विनम्रता से सामना करें, उन्हें स्वीकार करें।

रिश्शो कोसेई काई सदा इसे महत्त्व देता रहा है कि जो शुभ है केवल उसे ही नहीं बल्कि जो पीड़ादायक या सदमा देनेवाला है, उन्हें देवों एवं बुद्धों की युक्तिजन्य अदृष्ट व्यवस्था मानकर, उनको भी कृतज्ञ होकर स्वीकार करना चाहिए। जब हम समझ लेंगे कि ऐसी व्यवस्था के अनुसार सभी प्रकार की घटनाएँ अनिवार्य रूप से घटती हैं, वे निरर्थक नहीं होती हैं। क्या शुभ है क्या अशुभ है के भाव को पीछे छोड़कर उन्हें

शान्तभाव से स्वीकार करें। देवों एवं बुद्धों की व्यवस्था है मानकर स्वीकारने से मन के स्वार्थभाव पर पूर्णविराम लग जायेगा और ऐसा करके हम धर्म का पालन करते हुए संन्तुलित एवं सुखभरा जीवन यापन कर सकते हैं।

सफलता एवं शान्ति का स्रोत

84 वर्षीय जापानी लोकोपकारी उद्यमी अनके लक्षकरोड़ के दो कम्पनियों के संस्थापक एवं जापान के एक एयर लाईन काज़ुओ इनामोरी के अवैतनिक चेयरमैन हैं। उन्होंने बुद्ध द्वारा स्थापित आदर्शों का आश्रय लेकर विशाल व्यवसाय में आनेवाले चुनौतियों का सामना किया है। उन्होंने सदा अपने से प्रश्न किया है-"क्या मेरा अभिप्रेरक कुशल है या इसमें आत्मश्लाघा की बू आती है ?" उन्होंने लिखा है कि अपने व्यवसाय की बागडोर संभालने के क्रम में व्यवसाय में लाभ का सोचना पर्याप्त नहीं है। अभिप्राय यह भी होना चाहिए कि कैसे इसमें समाज का एवं दूसरों का भला निहित है। वह स्वयं से पूछे कि इसमें उसका कोई स्वार्थ या अपने को महत्त्वपूर्ण स्थान पर पहुँचाने का भाव तो छिपा नहीं है। इनको समझ लेने के उपरान्त ही यह निश्चित हो सकेगा कि शौर्य आयेगा, आगे बढ़ने के लिए शौर्य का आना अनिवार्य है।

इस उल्लेख से हम समझ गये हैं कि मन के स्वार्थपरक आचरण पर पूर्ण विराम लगाना बुद्धधर्म के अनुरूप जीना है। वह क्रमशः बोधिसत्त्वचर्या के पालन की ओर अग्रसर करेगा। इसका अर्थ, इस संसार में व्यवसायिक या सामाजिक क्रियाकलापों द्वारा लोकहिता सेवा में योग देना है।

यद्यपि मिस्टर इनामोरी को एक ग्राहक से अविवेकपूर्ण ऑडर मिला, फिर भी वे उसकी आपूर्ति के लिए तैयार हो गये बशर्ते वह समझता है कि ऐसा करना बहुतों के हितार्थ होगा और ग्राहक भी खुश होंगे। उसका स्वार्थी मन एवं भावना स्वतः ही विश्वास में बदल जायेगा और इसकी प्रशंसा करना कठिन नहीं होगा कि समय के अन्तराल में अपने लिए और दूसरों के लिए अवसर उत्पन्न करेगा।

आर्थिक क्रियाशीलता का लक्ष्य निज के लिए तथा कम्पनी के लिए धन का उपार्जन करना है। आर्थिक का समानान्तर जापानी शब्द Keizai है जो Keisei saimin से आया है और जिसका अर्थ है विश्व पर राज्य करना और लोगों की भलाई करना। मल्टीनेशनल कार्पोरेसन पैनासोनीक के संस्थापक कोनोसुके मात्सुशिता (1894-1989), जिन्हें प्रबन्धन का देवता माना जाता है, ने कहा है-जैसाकि व्यवसाय एक पब्लिक उपक्रम है जिससे बहुत सारे लोग जुड़े होते हैं। यह व्यक्तिगत स्वार्थ से जुड़ा नहीं होना चाहिए। अतः निस्स्वार्थभाव इसकी आधारशिला में होना चाहिए जो सफलता की चाभी भी है।

साहित्यिक आलोचक हिदेको कोवायासी (1902-83) के शब्दों में एक सफल उद्यमी निस्स्वार्थी होता है। जो "चीजें किस दिशा में जा रही हैं उन्हें देखकर दिन प्रतिदिन अपने को बदलते रहता है।" उन्होंने कुछ व्यवसाय जगत के समर्थ नेताओं का नाम भी लिया है जो दूसरे लोग क्या कहते हैं उसे ध्यान से सुनते हैं परन्तु उनका प्रतिरोध नहीं करते है और नहीं अपनी कोई सफाई देते हैं। निष्कर्ष में वे कहते है कि "आप कितने ठीक हैं।"

निर्वाण में प्रवेश करते ही सभी प्रकार की भ्रान्तियों बुझ जाती हैं। शाक्यमुनि के निर्वाण के वार्षिक स्मरणोत्सव शीघ्र ही मनायेंगे। निर्वाण हमारी पहुँच से दूर नहीं हैं। जब कोई हम से बातें करता है हम निस्स्वार्थभाव से सकारात्मक जवाब देते हैं क्योंकि हम देवों एवं बुद्धों की व्यवस्था रूप में सामने आयी घटनाओं को सहर्ष स्वीकारते हैं और लोगों के हृदय को जीतते हैं। हम उनको सुनते हैं उनके प्रति सहृदय हो जाते हैं। सुख शान्ति से दैनिक जीवन व्यतीत करनेवाले निर्वाण पा सकते हैं।

From *Kosei,* February 2016.

Child Care lifeline

कभी-कभी अपने बच्चे को प्यार नहीं करने में असमर्थ पाती

Q प्रश्न- लम्बे समय से मुझे एक बच्चे की चाह थी और अन्ततः मैंने एक बच्चे को जन्म दिया। परन्तु कभी-कभी मेरे लिए यह मुश्किल होता है कि मैं अपने बच्चे को कैसे प्यार करूँ। मैं जानती हूँ कि एक माँ के लिए इस प्रकार की सोच रखना गलत है और मुझे इस संबन्ध में चिन्ता होती है।

A कोई भी माँ बच्चे को पालने के समय में कम से कम एक बार अवश्य ऐसी भावना की शिकार हो जाती है। कृपया ऐसी भावना के लिए अपने को दोषी मानने के वजाय अपनी भावना के प्रति इमानदार रहें।

यह सत्य है कि बच्चे माँ को प्यारे होते हैं। परन्तु बच्चे को पालने के प्रारंभ के कुछ वर्षों में माँ प्रायः कभी चिन्तित हो जाती है क्योंकि बच्चे माँ का नहीं सुनते, बच्चे उस रूप में नहीं उभर रहे होते हैं जैसी माँ की कामना होती है। यदि आपके मन में कोई ऐसी कामना है तो आप बच्चों के साथ आँख में आँख मिला कर नहीं रह सकती हैं। इसलिए आप सोचती हैं कि मुझे अपने बच्चे को प्यार करना मुश्किल हो रहा है और आप बच्चे से निष्ठुर जैसा व्यवहार करती हैं। उदाहरण के रूप में जब डाइपर बदलती हैं: बीते दिनों में वैसा करने में आपके चेहरे पर रहर्ष होता था, परन्तु आज-कल वैसा ही करने में आप के चेहरे पर खीज की रेखाऐं हैं। आपको स्वयं भी आश्चर्य होता होगा कि आप अपने बच्चों के साथ इतना संगदिल कैसे हो जाती हैं। किन्तु आप अपनी भावनाओं पर नियंत्रण पाने के उपाय नहीं सोच पा रही हैं। यह पीड़ाजनक है। है न!

इस परिस्थिति में यह उचित होगा अगर कोई आपके नजदीकी है जो आपकी मदद करे और कहे कि “आप ठीक ही कर रही थीं।” क्या आप सहमत हैं या नहीं ? यदि कोई मित्र या माताजी आसपास नहीं रहती हैं तो अच्छा होगा कि आप उन माताओं की मण्डली में सम्मलित हों जाएँ जो अपने बच्चों को पाल रही हो। उनमें से किसी को खोज निकालें जो आपको आस्वस्त करते हुए कहेगा- यह O.K. है। कोई भी जीवन के किसी एक समय ऐसा ही सोचती है। हमसब मिलकर वैसा करेंगे जो सबसे उत्तम रास्ता होगा। कोई भी माता आदर्श नहीं होती हैं, परन्तु वे अपने बच्चों के साथ रहकर विकसित होती हैं।

Point 1 स्वयं को दोषी मत मानो।

सभी माताएँ कभी न कभी कम से कम एक वार इस प्रकार की भावना से ग्रसित होती हैं। कृपया अपने आप को दोषी मत मानो।

Point 2 दोस्त बनाएं

यदि आपके मित्र या ऐसा व्यक्ति है जिसके साथ बच्चे सम्बन्धी समस्याओं पर खुलकर बात कर सकती है तो आपको राहत मिलेगा। अपने मन की बातों के लिए लज्जित होने के वजाय दूसरों से खुलकर विचारविमर्श करना उत्तम होता है।

(नोट : उत्तर Tokyo Resarch Institute for Family Education के सौजन्य से)

In cooperation with Tokyo research Institute for Family Education

On the basis of the principle, “If parents change, so will their children,” the Tokyo Research Institute for Family Education hold lecture meetings in various parts of Japan and abroad, where the consultation is provided on child raising. Many happy families have been born through “the family education of learning from the child.”

Director's Column

संस्थापक के जीवन से सीख लेना

संस्थापक निवानो रिश्शो कोसेई काई के सदस्यों के मार्ग के अनुशीलन में आदर्श मॉडल है। मैं सदा संस्थापक के जीवन के अध्ययन की कोशिश में रहता हूँ। जब वे हमारी उम्र के थे वे वास्तव में क्या क्या करते थे।

मैं इस वर्ष पहली फरवरी को 62 वर्ष 3 माह का हो जाऊँगा। संस्थापक मेरी उम्र के 1969 के फरवरी में थे। उस वर्ष उन्होंने धर्म के नेताओं के इस्ताम्बुल में आयोजित एक महत्त्वपूर्ण समारोह में भाग लिया था जिसमें निर्णय लिया गया था कि 1970 में क्योटो में विश्व शान्ति की स्थापना के हेतु विविध धर्मों का एक कॉन्फरेंस होगा। उन्होंने जापानी सदस्यों की ओर से बोलते हुऐ अपनी दृढ़ता को इन शब्दों में व्यक्त किया--इस आयोजन की मेज़बानी करना मेरे लिए बड़े हर्षोल्लास की बात होगी। हम अपनी ओर से प्रयत्न में कोई कमी नहीं होने देंगे। देश लौटकर उन्होंने धार्मिक नेताओं के पास जाकर उनसे सहयोग एवं सहायता की अपील की। कार्य बहुत ही चुनौतीपूर्ण था परन्तु प्रथम विश्व शान्ति हेतु धार्मिक नेताओं का कॉन्फरेंस (लोगों ने जिसका आयोजन असंभव समझा था) आयोजित हुआ तथा पूर्ण सफल रहा।

संस्थापक जीवन के आदर्श पर दृढ़विश्वास उत्साह एवं प्रसन्नता से चलते रहे। यह हमें सीख देता है कि धर्म क्या है ? धार्मिक जीवन जीने का उदेश्य क्या है ? संस्थापक निवानो, सहृदयता की प्रतिमूर्ति, का निरन्तर दिशानिर्देश मुझे मिलता रहा है।

रिश्शो कोसेइ काइ अन्तराष्ट्य बिभाग निर्देशक
शोको मिजुतानी

Rissho Kosei-kai

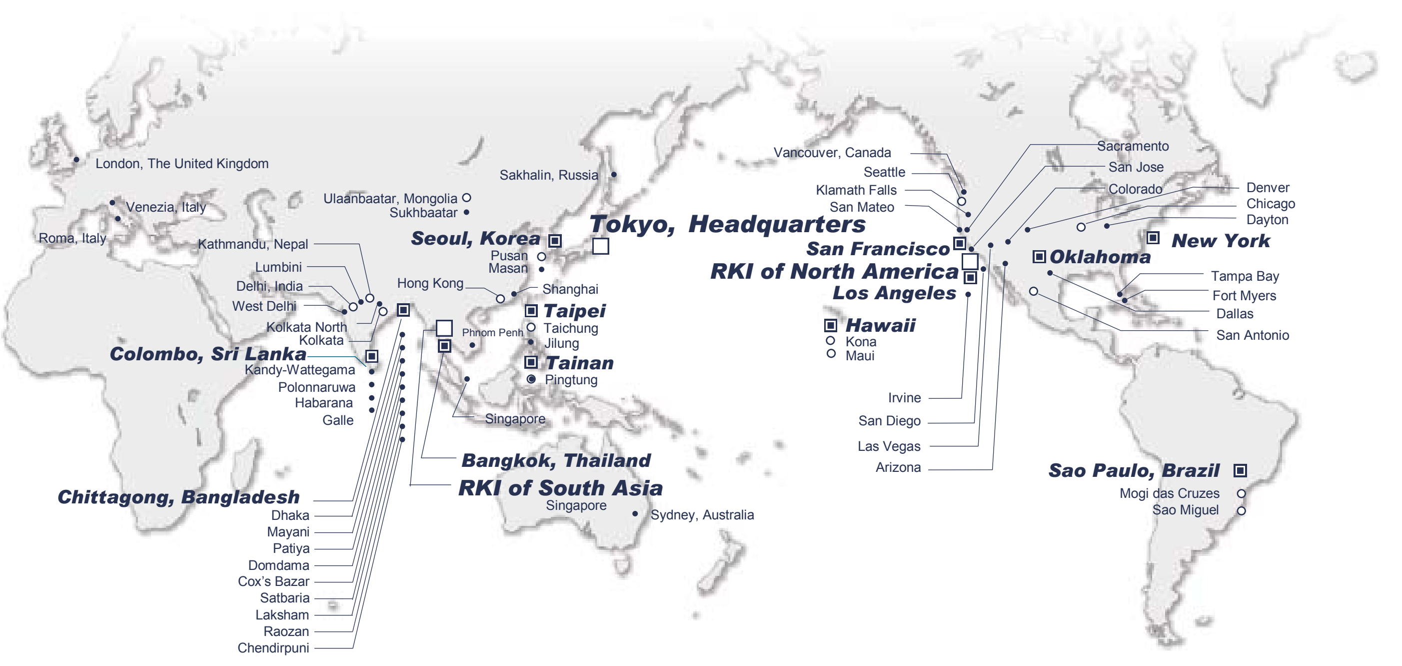

Rissho Kosei-kai

Overseas Dharma Centers 2016

Rissho Kosei-kai International
5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)
2707 East First Street Suite #1 Los Angeles
CA 90033 U.S.A
Tel: 1-323-262-4430 *Fax:* 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA
Rissho Kosei-kai of Tampa Bay
2470 Nursery Rd.Clearwater, FL 33764, USA
Tel: (727) 560-2927
e-mail: rktampabay@yahoo.com
http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax*: 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii
2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.
Tel: 1-808-455-3212 *Fax:* 1-808-455-4633
e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.
Tel: 1-808-242-6175 *Fax:* 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, U.S.A.
Tel: 1-808-325-0015 *Fax:* 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles
2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.
Tel: 1-323-269-4741 *Fax:* 1-323-269-4567
e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.
Tel: 1-210-561-7991 *Fax:* 1-210-696-7745
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com
http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco
1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.
Tel: 1-650-359-6951 *Fax:* 1-650-359-6437
e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.
Tel: 1-253-945-0024 *Fax:* 1-253-945-0261
e-mail: rkseattle@juno.com
http:// www.buddhistLearningCenter.com

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai of New York
320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.
Tel: 1-212-867-5677 *Fax:* 1-212-697-6499
e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago
1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.
Tel : 1-773-842-5654
e-mail: murakami4838@aol.com
http://home.earthlink.net/˜rkchi/

Rissho Kosei-kai of Fort Myers
http://www.rkftmyersbuddhism.org/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma
2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.
Tel & Fax: 1-405-943-5030
e-mail: rkokdc@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls
1660 Portland St. Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver
1571 Race Street, Denver, Colorado 80206, U.S.A.
Tel: 1-303-810-3638

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton
635 Kling Dr, Dayton, OH 45419, U.S.A.
http://www.rkina-dayton.com/

Risho Kossei-kai do Brasil
Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,
CEP 04116-060, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377
Fax: 55-11-5549-4304
e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Risho Kossei-kai de Mogi das Cruzes
Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,
CEP 08730-000, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446/55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei
4F, No. 10 Hengyang Road, Jhongjheng District, Taipei City 100, Taiwan
Tel: 886-2-2381-1632 *Fax:* 886-2-2331-3433
http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Taichung
No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,
Taichung City 401, Taiwan
Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 *Fax:* 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Tainan
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
Tel: 886-6-289-1478 *Fax:* 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

Korean Rissho Kosei-kai
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
Tel: 82-2-796-5571 *Fax:* 82-2-796-1696
e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Busan
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
Tel: 82-51-643-5571 *Fax:* 82-51-643-5572

Branches under the Headquarters
Rissho Kosei-kai of Hong Kong
Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,
North Point, Hong Kong,
Special Administrative Region of the People's Republic of China
Tel & Fax: 852-2-369-1836

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar
15f Express tower, Enkh taiwnii urgun chuluu, 1st khoroo, Chingeltei district, Ulaanbaatar, Mongolia
Tel: 976-70006960
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin
4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Roma
Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax : 39-06-48913949
e-mail: roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK

Rissho Kosei-kai of Venezia
Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy

Rissho Kosei-kai of Paris
86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France

Rissho Kosei-kai of Sydney

International Buddhist Congregation (IBC)
5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 *Fax:* 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp http://www.ibc-rk.org/

Rissho Kosei-kai of South Asia Division
5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami, Tokyo, 166-8537, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh
85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka
House No.467, Road No-8 (East), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani
Maitree Sangha, Mayani Bazar, Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya
Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama
Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar
Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria
Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham
Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan
West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni
Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Ramu

Rissho Kosei-kai Dhamma Foundation, Sri Lanka
382/17, N.A.S. Silva Mawatha, Pepiliyana, Boralesgamuwa, Sri Lanka
Tel & Fax: 94-11-2826367

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Rissho Kosei-kai of Habarana
151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Branches under the South Asia Division

Rissho Kosei-kai of Central Delhi
224 Site No.1, Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi, 110060, India

Rissho Kosei-kai of West Delhi
66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka
New Delhi 110075, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata
E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North
AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu
Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal
Tel: 977-1-552-9464 *Fax:* 977-1-553-9832
e-mail: nrkk@wlink.com.np

Rissho Kosei-kai of Singapore

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh
#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Other Groups

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai